त्वरक, उनके अनुप्रयोग एवम् नाभिकीय विज्ञान पर वैज्ञानिक संगोष्ठी

30 नवम्बर, 2018

परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन केन्द्र

1/ए.एफ. बिधान नगर, कोलकाता - 700 064

प्रकृति के भौतिक रहस्य तथा उनके लाक्षणिक सौंदर्य सदा से ही मानव की जिज्ञासु प्रवृत्ति के प्रेरणा-स्रोत रहे हैं। इन अनसुलझे रहस्यों को समझने का प्रयास किसी रोमांचक यात्रा से कम नहीं। त्वरक प्रारम्भ से ही इस प्रज्ञा-यात्रा के अभिन्न अंग रहे हैं। त्वरकों से प्राप्त ऊर्जावान कणों का उपयोग कर नाभिकीय विज्ञान, विभिन्न कणों की खोज, नवीन कणों का निर्माण, पदार्थ की संरचना इत्यादि का अध्ययन किया जाता रहा है। सैद्धांतिक वैज्ञानिकों के लिये ये प्रायोगिक तथ्य एक मूलभूत वैज्ञानिक अवधारणा बनाने में प्रेरक सिद्ध होते हैं। ये अवधारणायें पहले जहाँ हमारे आस-पास की वस्तुओं की मौलिक संरचनाओं को समझने में हमारी सहायक थीं, वहीं आज इन मूलभूत संरचनाओं एवं उनके बीच की अभिक्रियाओं की जानकारी अंतरिक्ष के सुदूरतम तारों, नोवे, सुपरनोवे से हमारा परिचय करवा रही हैं।

प्रकृति के इस गूढ़ सौन्दर्य को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखने एवं इस अनुभव को राष्ट्रीय स्तर पर जन-सामान्य तक पहुँचाने के लिये हिन्दी भाषा में किया गया यह हमारा प्रथम प्रयास है। विज्ञान तथा भाषा के इस संयुक्त अनुष्ठान में सम्मिलित होने के लिये सभी जिज्ञासुओं का स्वागत है। इस वैज्ञानिक संगोष्ठी में शोध-पत्र को पोस्टर प्रारूप में प्रस्तुत करने के लिये आप सभी शोध-छात्र/छात्रायें तथा युवा वैज्ञानिक परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन केन्द्र, कोलकाता में सहर्ष आमंत्रित हैं।

आयोजन समिति

देवाशीष नारायण बसु-अध्यक्ष
वैशाली नायक
पर्णिका दास
हेमेंद्र कुमार पांडेय
समित बंद्योपाध्याय
नीरज चड्ढा
विनीत कुमार राकेश
सी. वी. एस. शास्त्री
चि. रंगय्या
भास्करानंद झा
शशि चंद्र लाल श्रीवास्तव-संयोजक

वक्ता

सुधीर रंजन जैन
(भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, मुम्बई)

मनोरंजन प्रसाद सिंह
(राजा रामण्णा प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र, इन्दौर)

विजय शंकर पंडित
(भूतपूर्व वैज्ञानिक, परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन केन्द्र, कोलकाता)

तापस बंद्योपाध्याय
(भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, कोलकाता)

अनुराग मिश्रा
(परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन केन्द्र, कोलकाता)

सौरभ श्रीवास्तव
(परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन केन्द्र, कोलकाता)

इस संगोष्ठी में सभी प्रतिभागियों का पंजीकरण नि:शुल्क है।

दूरभाष

033 2318-2381, 033-2318 2312

ईमेल

hindi.seminar@vecc.gov.in

आवश्यक निर्देश

- शब्द सीमा-आलेख कम से कम 1,500 एवं अधिकतम 5,000 शब्दों में होना चाहिए। केवल पूर्ण आलेख ही स्वीकार किए जायेंगे।
- अंतिम तिथि-सारांश भेजने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर, 2018 होगी, शोधपत्र भेजने की अंतिम तिथि 20 नवम्बर, 2018 होगी।
- शोधपत्र hindi.seminar@vecc.gov.in पर भेजें जाएँ,(शोधपत्र वर्ड फाईल में भेजे जाने आवश्यक है ताकि अपेक्षित संशोधन एवं संपादन किया जा सके।
- फॉण्ट-शोधपत्र केवल यूनिकोड समर्थित फॉण्ट (हिन्दी) 10 में ही भेजे जाएँ।
- भोजन एवं आवास व्यवस्था-चयनित प्रतिभागियों के भोजन एवं आवास की व्यवस्था आयोजकों द्वारा की जायेगी। प्रतिभागियों को यात्रा का खर्च स्वयं वहन करना होगा।